Q

Printed Pages : 8

B.A.M.S. (Ist Year)

Roll No. : 1830708101033

8003

आयुर्वेदाचार्य (बी.ए.एम.एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य/पूरक परीक्षा, 2018

(New Course)

संस्कृत

[Third Paper]

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णांक : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

खण्ड-अ

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस प्रश्न में **दस भाग** हैं, प्रत्येक भाग 2 अंकों का है। **सभी भाग** अनिवार्य हैं। [2×10=20]

1. (क) 'सच्चित्' अथवा 'हितोपदेश' की सन्धि-विच्छेद, नियमनिर्देश सहित कीजिए।

Scanned with CamScanner

(ख) 'अम्' अथवा 'खर्' प्रत्याहार की सिद्धि कीजिए।

(ग) 'द्विगु' अथवा 'अव्ययी भाव' समास की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

(घ) 'देवपूजकः' अथवा 'शिवकेशवौ' में समास निर्दिष्ट कीजिए।

(ङ) 'युष्मद्' (तू) चतुर्थी विभक्ति का रूप है।

(च) 'नद्याम्' शब्द किस विभक्ति का रूप लिखिए।

(छ) 'हस्' विधिलिङ' में रूप लिखिए।

(ज) 'तव्यत्' अथवा 'क्त्वा' प्रत्यय की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

(झ) 'पिता लगुडेन बालं ताडयति' को कर्मवाच्य में परिवर्तित कीजिए।

(ञ) 'अधि' अथवा 'परा' उपसर्गों को वाक्य में प्रयोग कीजिए।

खण्ड-ब

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोटः इस खण्ड में कुल चार प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **5** अंकों का है। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। [5×4=20]

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए -

(क) वह देवताओं को नमस्कार करता है।

(ख) भक्त मुक्ति के लिए हरि को भजता है।

(ग) राम भार्या (अपनी स्त्री) को स्वर्णादि देता है।

(घ) हरि के बिना सुख नहीं है।

(ङ) खेत वन से दूर या पास में है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए -

(क) सुखात् वहति।

(ख) बालकं पुस्तकं रोचते।

(ग) तेन गुरूणा अधीते।

(घ) अनेन पापाद् निवारयति।

(ङ) धनात् ज्ञानाय् गुरूतम्।

4. कादयो मावसानाः स्पर्शाः तथा- 'अकः सवर्णे दीर्घः' सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. निम्नलिखित का हिन्दी अनुवाद कीजिए -

अधृतिरदृढ़सौहृदः कृतघ्नः कृशपुरुषो धमनीततः प्रलापी।
द्रुतगतिरटनोऽनवास्थितात्मा वियति च गच्छतिसभ्रमेण सुप्तः।।

खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। [15×4=60]

6. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए -

(क) प्रतिदिवसं याति लयं वसन्तवाताहतेव शिरिरश्रीः।
बुद्धिर्बुद्धिमतामपि कुटुम्बभरचिन्तया सततम्।।

(ख) सुबुद्धयो विनश्यन्ति दुष्टदेवैन नाशिताः।
स्वल्पधीरपि तस्मिस्तु कुले नन्दति सततम्।।

7. 'अतिविस्तार विस्तीर्ण तद्भवेन्न चिरायुषम्' कथन को परिभाषित करते हुए कथा को अपने शब्दों में लिखिए।

8. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए -

(क) एकं शास्त्रं वैद्यमध्यात्मकं सौख्यं चैकं यत्सुखं वा तपं वा।
वन्धश्चैको भूपतिर्वा यतिर्वा ह्येकं कर्मश्रेयसं वा यशो वा।।

(ख) शरीरं हि बिना वायुः समतां याति दारूभिः।
वायुः प्राणः सुखं वायुर्वायुः सर्वमिदं जगत्।

9. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए -

(क) योऽनायासः श्रमो देहे प्रवृद्धः श्वासवर्जितः।
क्लमः स इति विज्ञेय इन्द्रियार्थ प्रबाधकः।।

(ख) उपर्युक्त श्लोक की आयुर्वेदात्म टिप्पणी लिखिए।

----- x -----